संपादकीय

अँधेरे का उजाले से, जीवन का मृत्यु से संघर्ष अनवरत जारी है।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय' की मानव की शाश्वत अभिलाषा इसी महासागर से उद्भूत अभिव्यक्ति ही तो है। नित्य पराजित होने के बावजूद, मानवता हार नहीं मानती और सदैव मृत्यु पर विजय प्राप्त करने के जतन में लगी रहती है। अँधेरे से उजाले की ओर की अविराम यात्रा तथा मृत्यु के अमरत्व की यात्रा को मानव सभ्यता की यात्रा भी कहा जा सकता है। इस अंतहीन यात्रा के वर्तमान पड़ाव का एक विषम पहलू यह भी है कि मानव समाज का एक बड़ा हिस्सा घनघोर अभावों के अँधेरों में रहने के लिए अभिशप्त है जबकि दूसरा छोटा सा हिस्सा, जीवन में हर प्रकार की संपन्नता की रोशनी से चकाचौंध की हद तक रोशन है। यह कहना भी असंगत न होगा कि, यह दोनों ही हिस्से दृष्टिभ्रम से ग्रसित हैं। साधनों के वितरण में असमानता, अवसरों की उपलब्धि की असमानता, आमदनी की असमानता जैसी कितने ही प्रकार की विषमताएं हमारे समाज में विकसित सभ्यता का लक्षण बन गई हैं।

साक्षात्कार

विदेशी धरती पर हिंदी का प्रचार-प्रसार

लंदन (यू.के.) में बसी प्रवासी लेखिका **उषा राजे सक्सेना** से **पूनम सिन्हा** की बातचीत

"टूटी हुई शाख हैं हम/पर हौसला कम बुलंद नहीं अपना
जमा लेंगी अपनी जड़ें/ये हमारी कलमें/नई मिट्टी और नई जमीन में..."

ये पंक्तियाँ हैं गोरखपुर, उत्तरप्रदेश में जन्मी, लंदन में प्रवासी भारतीय के रूप में जीवनयापन करने वाली कवयित्री एवं कहानीकार उषा राजे सक्सेना के विषय में बी.बी.सी. लंदन में हिंदी और तमिल के भूतपूर्व संचालक कैलाश बुधवार का कहना है। वे यहाँ तक कहते हैं कि 'मैं उषा राजे को 'स्वयंसिद्धा' मानता हूँ। वे वर्षों से विदेश में अपने आप चुपचाप हिंदी की अलख जगाये मातृभाषा की उपासना में तल्लीन हैं। इस यज्ञ में किसी ने उन्हें आसन की लालसा करते नहीं देखा, उनकी भागदौड़ किसी शाबासी की मोहताज नहीं। बिना किसी आधार के, बिना किसी गुरु के स्वयं एकलव्य की तरह बिना किसी का दिशा-निर्देश पाये उषा राजे की लगन हिंदी से लगी है। एक ओर मौलिक रचनाओं का सृजन, दूसरी ओर मातृभाषा के स्वत्व को स्वीकारने की मुहिम। देखते-देखते उनके साथ ब्रिटेन के अनेक नगरों में हिंदी भाषियों का एकजुट होना, बिखरी हुई लड़ियों का एक माला में गुँथ जाना, विदेश में भी अपनी भाषा को लुप्त न होने देने की साधना सभी के लिए एक मिसाल है।'

उषा राजे सक्सेना के साथ पूनम सिन्हा

उषा राजे सक्सेना

पता- 54 Hill Road, Mitcham
surrey, CR42HQ, U.K.

मो. 044 020 8640 8328

* * * *

पूनम सिन्हा